भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2443

उत्तर देने की तारीख 04 अगस्त, 2025
13 श्रावण, 1947 (शक)

खेलो इंडिया युवा खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ी

2443. श्री मलैयारासन डी.:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत इसकी शुरुआत से अब तक विशेष रूप से तमिलनाडु सहित सहायता प्राप्त कुल खिलाड़ियों और खेल अवसंरचना परियोजनाओं की संख्या, वर्ष और राज्य-वार कितनी है;

(ख) क्या सरकार ने सभी राज्यों, विशेष रूप से दक्षिणी राज्यों में, निधियों और सुविधाओं का समान वितरण सुनिश्चित किया है और इस प्रकार के आवंटन के लिए क्या मानदंड अपनाए गए हैं;

(ग) ऐसे केंद्रों और प्रतिभा पहचान कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत खेलो इंडिया युवा खेलों और अन्य राष्ट्रीय आयोजनों में कितने खिलाड़ियों ने भाग लिया है;

(घ) क्या खेलो इंडिया के अंतर्गत अवसंरचना विकास या खिलाड़ियों की सहायता के लिए तमिलनाडु सरकार का कोई प्रस्ताव केंद्र के पास लंबित है और यदि हाँ, तो इसमें देरी के क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा जमीनी स्तर के खेलों को मजबूत करने, पारंपरिक और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने और इस योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों के चयन और वित्तपोषण में लैंगिक और क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत इसकी शुरुआत से अब तक सहायता प्राप्त एथलीटों की कुल संख्या का राज्यवार विवरण **अनुबंध-I** में दिया गया है। तमिलनाडु राज्य सहित देश भर में खेलो इंडिया स्कीम के तहत स्वीकृत खेल अवसंरचना परियोजनाओं और उनकी स्वीकृत लागत और जारी की गई धनराशि का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://mdsd.kheloindia.gov.in पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

(ख) खेलो इंडिया स्कीम एक मांग-आधारित स्कीम है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों और अन्य पात्र संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों पर वित्तीय सहायता के लिए उनकी पूर्णता, तकनीकी रूप से व्यवहार्यता और स्कीम के अंतर्गत धन की उपलब्धता के अधीन विचार किया जाता है।

(ग) खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत खेलो इंडिया केंद्रों, खेल अकादमियों, चिन्हित खेलो इंडिया एथलीटों, विभिन्न खेलो इंडिया गेम्स में भागीदारी और पदक तालिका जैसे विवरण https://dashboard.kheloindia.gov.in पर उपलब्ध हैं। तमिलनाडु राज्य सहित देश भर में खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत स्वीकृत खेल अवसंरचना परियोजनाओं , उनकी स्वीकृत लागत और जारी धनराशि का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://mdsd.kheloindia.gov.in पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

(घ) तमिलनाडु राज्य से खेलो इंडिया के अंतर्गत एथलीटों की सहायता हेतु कोई प्रस्ताव लंबित नहीं है। हालाँकि, खेलो इंडिया स्कीम के "खेल अवसंरचना के निर्माण एवं उन्नयन" घटक के अंतर्गत, इस मंत्रालय को तमिलनाडु राज्य से अवसंरचना विकास हेतु 17 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों और अन्य पात्र संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों पर वित्तीय सहायता के लिए उनकी पूर्णता, तकनीकी रूप से व्यवहार्यता और स्कीम के अंतर्गत धन की उपलब्धता के अधीन विचार किया जाता है।

(ङ) जमीनी स्तर के खेलों को मजबूत करने के लिए, खेलो इंडिया स्कीम ने जिला स्तर पर 1,000 से अधिक खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए हैं ताकि बच्चों को पूर्व चैंपियन एथलीटों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण के अवसर प्रदान किए जा सकें। ये केंद्र युवा एथलीटों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह स्कीम 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 34 खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्रों को सहायता प्रदान करती है, जो उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग, खेल विज्ञान सहायता और उपकरण जैसे महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करते हैं, जिससे हर क्षेत्र की प्रतिभा को निखारने में मदद मिलती है। प्रतिभा की पहचान एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसमें कठिन राष्ट्रीय चैंपियनशिप और मूल्यांकन शिविरों के बाद पैरा-स्पोर्ट्स सहित 21 खेलों में 2,800 से अधिक एथलीटों का चयन किया गया है। ये एथलीट मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण लेते हैं, जिन्हें प्रति एथलीट छह लाख रुपये से अधिक की वार्षिक निधि से वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त, खेलो इंडिया गेम्स का 19 बार आयोजन किया जा चुका है, जिसमें 56,000 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया जिसमें विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के एथलीटों को लाभान्वित करते हुए एक प्रतिस्पर्धी प्लेटफॉर्म उपलब्ध हुआ। 29 खेल विधाओं में खेलो इंडिया महिला लीग के माध्यम से महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया गया है, जिसमें लगभग 1,40,000 महिला प्रतिभागियों के साथ 1,300 से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जिससे देश भर में खेलों में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पारंपरिक और देशज खेलों को बढ़ावा देना एक अन्य प्रमुख फोकस है। मल्लखंब, कलारीपयट्टू, गतका, थांग-ता और योगासन जैसे देशज खेलों को विभिन्न खेलो इंडिया युवा और विश्वविद्यालय खेलों में प्रतिस्पर्धी श्रेणियों के रूप में शामिल किया गया है। खेलो इंडिया केंद्र इन देशज खेलों सहित 42 खेल विधाओं में प्रशिक्षण हेतु सहायता प्रदान करते हैं, जो पूर्व चैंपियन एथलीटों को कोच के रूप में आजीविका के अवसर प्रदान करते हैं। फिट इंडिया अभियान अपने आयोजनों और उत्सवों के दौरान देशज खेलों को बढ़ावा देकर इसमें पूरक की भूमिका निभाता है। यह स्कीम सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और समावेशिता को प्रोत्साहित करने के साधन के रूप में ग्रामीण, देशज और जनजातीय खेलों के पुनरुद्धार में भी सहायता करती है। साथ ही, महिला लीग में भी देशज और पारंपरिक खेल शामिल हैं, जो व्यापक भागीदारी को बढ़ावा देते हैं।

एथलीट चयन और वित्त पोषण में लिंग और क्षेत्रीय संतुलन के संबंध में, एक अच्छी तरह से संरचित प्रतिभा पहचान और विकास समिति इस प्रक्रिया की देखरेख करती है, जिसमें प्रतिष्ठित एथलीट, कोच, खेल वैज्ञानिक और राष्ट्रीय खेल परिसंघों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। यह समिति प्रतियोगिताओं से स्काउटिंग सूचियों को संकलित करती है और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करते हुए योग्यता के आधार पर एथलीटों का चयन करने के लिए मूल्यांकन शिविर आयोजित करती है। एक बार चयनित होने पर, एथलीटों को मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रवेश मिलता है और खेलो इंडिया कार्यक्रम की व्यापक सहायता का लाभ मिलता है, जिसमें छात्रवृत्ति, विशेष कोचिंग, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अनुभव और विश्व स्तरीय सुविधाओं तक पहुंच शामिल है। प्रत्येक खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) को प्रति वर्ष ₹6.28 लाख तक का वित्त पोषण मिलता है। इस सहायता में विशेष प्रशिक्षण, विश्व स्तरीय सुविधाओं तक पहुंच, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी और ₹10,000 का मासिक आउट-ऑफ-पॉकेट भत्ता शामिल है।

अनुबंध – I

"खेलो इंडिया युवा खेलों में भाग लेने वाले एथलीट" के संबंध में माननीय लोकसभा सदस्य श्री मलैयारासन डी द्वारा दिनांक 04.08.2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2443 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध।

क्र.सं.	राज्य / केंद्र शासित प्रदेश	2025-26 (तिमाही1)	2024-25	2023-24	2022-23	2021-22	2020-21	2019-20
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	4	4	3	3	6	8	7
2	आंध्र प्रदेश	57	63	49	55	43	56	40
3	अरुणाचल प्रदेश	17	16	14	11	9	12	9
4	असम	53	42	39	43	54	45	36
5	बिहार	17	14	14	9	8	10	12
6	चंडीगढ़	34	34	30	40	39	46	33
7	छत्तीसगढ	31	37	45	35	44	30	22
8	दमन दीव और दादरा नगर हवेली	2	3	3	2	1	4	1
9	दिल्ली	140	156	163	199	212	254	195
10	गोवा	4	6	10	18	16	18	16
11	गुजरात	68	64	65	81	67	104	106
12	हरियाणा	497	490	467	432	392	438	375
13	हिमाचल प्रदेश	32	30	28	34	33	26	19
14	जम्मू और कश्मीर	14	17	19	20	30	20	13
15	झारखंड	51	54	47	40	24	27	27
16	कर्नाटक	160	157	138	136	144	159	173
17	केरल	114	94	108	103	109	126	131
18	लद्दाख	1	1	0	1	0	0	1
19	लक्षद्वीप	1	1	1	0	0	0	0
20	मध्य प्रदेश	97	109	114	100	109	54	72
21	महाराष्ट्र	303	325	347	365	415	347	365

22	मणिपुर	116	109	105	126	189	255	203
23	मेघालय	4	5	2	3	13	6	12
24	मिजोरम	15	10	15	28	25	39	26
25	नगालैंड	1	2	1	1	0	5	0
26	ओडिशा	81	77	70	57	66	47	53
27	पुदुचेरी	8	5	7	7	6	13	6
28	पंजाब	144	159	169	179	161	158	188
29	राजस्थान	155	137	105	81	108	137	95
30	सिक्किम	0	1	1	2	6	9	3
31	तमिलनाडु	190	199	173	167	101	94	92
32	तेलंगाना	58	72	59	51	55	132	60
33	त्रिपुरा	3	5	5	8	11	23	9
34	उत्तर प्रदेश	176	190	186	191	186	139	159
35	उत्तराखंड	49	45	32	40	53	94	69
36	पश्चिम बंगाल	111	112	118	91	81	95	83
कुल		**2808**	**2845**	**2752**	**2759**	**2816**	**3030**	**2711**

*****